हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा एकल प्लास्टिक उपयोग न करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली पर रिपोर्ट

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आईकोनिक सप्ताह (प्रतिष्ठित सप्ताह: 04 से 10 अक्तूबर 2021) मनाने हेतु एकल प्लास्टिक के उपयोग पर रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान एकल प्लास्टिक के उपयोग पर रोकथाम हेतु विषय पर दिनांक 08 को जागरूकता कार्यक्रम किया गया । इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु नारा लेखन तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा कार्यालय से मुख्य गेट तक जागरूकता रैली निकाली। जागरूकता रैली में संस्थान के निदेशक डॉ.एस .एस. सामंत सहित वैज्ञानिको, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधर्थियों ने भाग लिया । उसके बाद संस्थान के सभागार में उपरोक्त विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए । संस्थान के निदेशक **डॉ. एस.एस. सामंत** ने बताया कि हम सभी को एकल प्लास्टिक का उपयोग करने से यथासंभव बचना चाहिए एवं एकल प्लास्टिक के विकल्प प्रयोग करने चाहिए । हमें अपने घर से यह शुरुआत करनी होगी खासकर बच्चों को प्लास्टिक के कूप्रभाव के बारे में जागरूक करना चाहिए। उन्होने यह भी कहा कि प्लास्टिक एवं किसी भी कचरे को इधर उधर नहीं फेंकना चाहिए । प्रयोग में लाये गये एकल प्लास्टिक का निपटान वैज्ञानिक ढंग से किया जाना चाहिए । उन्होने बताया कि प्लास्टिक को सड़क पक्का करने हेतु भी उपयोग किया जा रहा हैं । प्रयोग में लाये गये एकल प्लास्टिक का निपटान वैज्ञानिक ढंग से करनें हेतु वैज्ञानिक अनुसंधान कर तकनीक विक्सित करने हेतु कार्य कर रहे हैं ।, **डॉ. संदीप शर्मा, वैज्ञानिक-जी** एवं समूह समन्वयक अनुसंधान ने बताया कि प्लास्टिक से हमारे पर्यावरण एवं शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डालते है । उन्होने कहा कि एकल प्लास्टिक अथवा किसी भी प्रकार के प्लास्टिक के बर्तन में गर्म खाद्य सामग्री उपयोग में लायी जाती है तो उसमें से प्लास्टिक के नैनोपार्टिकल्स/ माइक्रोपार्टिकल्स भी हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं और स्वास्थय को बहुत हानी पहुँचाते हैं । उन्होने आगे कहा कि प्लास्टिक के नैनोपार्टिकल्स एवं माइक्रोपार्टिकल्स ने हमारे आस पास कि भूमि और जल के सारे स्रोत प्रदूषित कर दिये हैं और यह प्रदूषण अब समुंदर तक पहुँच गया है और समुद्री जीवों में कई तरह की बिमारियों एवं विकृतियों का कारण बन रहा है । आज हमें आवश्यकता है कि एकजुट होकर इस समस्या का समाधान निकालें या उस समाधान का हिस्सा बनें । **डॉ॰ जगदीश सिंह,** वैज्ञानिक-एफ, प्रमुख विस्तार प्रभाग ने कहा कि एकल प्लास्टिक की समस्या को कम करने के लिए 50 माइक्रोन से कम के प्लास्टिक उपयोग पर सरकार द्वारा रोक लगाई गयी है और अब 120 माइक्रोन से कम के प्लास्टिक उपयोग पर रोक लगाने हेतु विचार किया जा रहा है । प्रथम, द्वितीय , तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरुसकार वितरित किए गये । नारा लेखन प्रतियोगिता में गौरव स्वरूप ने प्रथम, श्वेता भीमटा ने द्वितीय तथा सोरव यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । पोस्टर प्रतियोगिता में संगीता वर्मा ने प्रथम, अनुकृति ने द्वितीय तथा बंदना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । कार्यक्रम के आयोजन में डॉ॰ जगदीश सिंह, प्रमुख विस्तार प्रभाग, डॉ॰ जोगिंदर चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री कुलवंत राय गुलशन एवं श्री राजेंदर पाल ने प्रमुख भूमिका निभाई ।कार्यक्रम के अंत में **डॉ. एस.एस. सामंत,** निदेशक हिमालय वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने सभी का इस कार्यक्रम को सफल बनाए हेतु सहयोग देने के लिए धन्यावाद किया ।

जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली

AWARENESS PROGRAMME
TO AVOID THE USE OF SINGLE USE PLASTICS

AWARENESS PROGRAMME
TO AVOID THE USE OF SINGLE USE PLASTICS

AWARENESS PROGRAMME
TO AVOID THE USE OF SINGLE USE PLASTICS
8TH OCT, 2021

Azadi Ka Amrit Mahotsav
AWARENESS PROGRAMME
TO AVOID THE USE OF SINGLE USE PLASTICS
ICONIC WEEK

Azadi Ka Amrit Mahotsav
AWARENESS PROGRAMME
TO AVOID THE USE OF SINGLE USE PLASTICS
8TH OCT, 2021

Azadi Ka Amrit Mahotsav
AWARENESS PROGRAMME
TO AVOID THE USE OF SINGLE USE PLASTICS
ICONIC WEEK

Azadi Ka Amrit Mahotsav
AWARENESS PROGRAMME
TO AVOID THE USE OF SINGLE USE PLASTICS
8TH OCT, 2021

Azadi Ka Amrit Mahotsav
AWARENESS PROGRAMME
TO AVOID THE USE OF SINGLE USE PLASTICS
8TH OCT, 2021

Azadi Ka Amrit Mahotsav
AWARENESS PROGRAMME
TO AVOID THE USE OF SINGLE USE PLASTICS
8TH OCT, 2021